।। ओ३म्।।

कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक

आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

न तस्या प्रतिमाऽअति। यजु० 32/3

उस प्रभु की प्रतिमा (मूर्ति) कोई नहीं है।

There is no idol, counterpart or Statue of that formless God.

वर्ष 36, अंक 35 एक प्रति : 5 रुपये

सोमवार 22 जुलाई, 2013 से रविवार 28 जुलाई, 2013 तक

विक्रमी सम्वत् 2070 सृष्टि सम्वत् 1960853114

दयानन्दाब्द : 189 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8

फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com

इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj. org/aryasandesh

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के निर्देशन में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्त्वावधान में

पांचवां आर्य परिवार युवक युवती परिचय सम्मेलन सम्पन्न

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का यह अभिनव प्रयास सर्वथा प्रशंसनीय – गंगा प्रसाद

आर्य परिवारों का निर्माण एवं विस्तार ही इन सम्मेलनों का लक्ष्य – धर्मपाल आर्य

आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती का यह प्रयास था कि देश में आर्य विचारधारा की स्थापना हो तथा आर्य जाति एकता के सूत्र में बंधे। जिसमें 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' का वैदिक लक्ष्य पूरा किया जा सके। इसी क्रम में जातिवाद के बंधनों को तोडकर गुणकर्म और स्वभाव के मेल के अनुसार विवाह संबंध निर्धारित करने के लिए विगत वर्षों में चार आर्य युवक युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलनों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इसी क्रम में सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा दिल्ली के निर्देशन में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा पांचवे आर्य परिवार युवक युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन का आयोजन दिनांक 14 जुलाई 2013 रविवार को आर्य समाज ग्रेटर कैलाश पार्ट–2 नई दिल्ली में किया गया।

आर्य परिवारों को परस्पर जोड़ने के लिए इस सार्थक उपक्रम में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा श्री अर्जुनदेव चढ्डा के इस प्रकार के आयोजन के पूर्व अनुभव को देखते हुए उन्हें युवक युवती परिचय सम्मेलन का राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया गया था। राष्ट्रीय संयोजक अर्जुनदेव चढ्डा ने बताया कि इससे पहले चार

– शेष पृष्ठ 5 एवं 7 पर

प्रतिभागी युवक-युवती एवं अभिभावकों की प्रतिक्रियाएं

- ★ दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का यह प्रयास बहुत अच्छा है। इस प्रकार के कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर भी आयोजित किए जाने चाहिए।
  – राकेश चौहान, (युवती अभि.) जम्मू
- ★ एक समान विचारधारा वाले लोगों को एक स्थान पर मिलाने का यह अच्छा प्लेटफॉर्म है। आर्य प्रतिनिधि सभा इसके लिए धन्यवाद की पात्र है।
  – मधु महाजन, प्रतिभागी, दिल्ली

– शेष पृष्ठ 7 पर

वैदिक मन्त्रोच्चारण के साथ दीप प्रज्वलित करके परिचय सम्मेलन का उद्घाटन करते आर्यसमाज ग्रेटर कैलाश के प्रधान श्री प्रियव्रत, श्री विद्यामित्र ठुकराल, श्री सोमरत्न अर्य एवं सभा महामन्त्री श्री विनय अर्य जी

इस अवसर पर प्रकाशित परिचय विवरणिका का विमाचन करते सर्वश्री अजय सहगल, गोविन्दलाल नागपाल, प्रियव्रत, विद्यामित्र ठुकराल, सहदेव नांगिया एवं 5वें परिचय सम्मेलन के राष्ट्रीय संयोजक श्री अनर्जुनदेव चड्ढा जी

उत्तराखण्ड बाढ़ पीड़ितों की सहायतार्थ राहत सामग्री की तीसरी खेप रवाना

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के निर्देशन में उत्तराखण्ड के त्रासदी प्रभावित गांवों राहत एवं सहायता सामग्री पहुंचाने के लिए दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा एकत्रित की गई राहत सामग्री की तीसरी खेप रविवार 21 जुलाई, 2013 को रवाना की गई। राहत सामग्री को गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के नव नियुक्त कुलपति डॉ. सुरेन्द्र कुमार जी ने ओ३म् ध्वज दिखाकर रवाना किया। ज्ञातव्य है कि आर्यसमाज सेवा समिति ने प्रभावित क्षेत्रों में सर्वेक्षण करके जो पीड़ित परिवारों की जो सूची तैयार की थी, यह सामग्री उसी के आधार पर उन परिवारों तक पहुंचाई जाएगी।

इस बार भेजी गई राहत सामग्री में मुख्यतः सोलर लालटेन, दालें, चावल, आटा, नए कपड़े, कम्बल आदि हैं। सोलर लालटेन वर्तमान में वहां अत्यधिक आवश्यकता है क्योंकि दिन तो निकल जाता है किन्तु रात बिना बिजली के गुजारना मुश्किल है। इससे रोशनी के साथ–साथ मोबाइल चार्ज भी किया जा सकता है, जोकि वहां सम्पर्क साधने के लिए अत्यावश्यक है।

उत्तराखण्ड में पीड़ित परिवारों की सहायतार्थ राहत सामग्री को ओ३म् ध्वज दिखाकर रवाना करते गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार के कुलपति डॉ. सुरेन्द्र कुमार जी, साथ में हैं सेवा समिति के सदस्य श्री विजेन्द्र आर्य जी, रणधीर सिंह आर्य एवं अन्य।

वेद-स्वाध्याय

सद्वैद्य

- स्वामी देवव्रत सरस्वती

अमाजुरश्चिद्भवथो युवं भगोऽनाशोश्चिदवितारापमस्य चित। अन्धस्य चिन्नासत्या कृशस्य चिद्युवामिदाहुर्भिषजा रुतस्य चित्।। ऋ.10/39/3

अर्थ—***(नासत्या)*** हे सद्वैद्यो! ***(युवम्)*** आप दोनों ***(अमाजुरः भगम् चित्)*** रोग से जीर्ण हुये गृहस्थ जनों के स्वास्थ्य ***(अनाशोः)*** जिनकी पाचन शक्ति मन्द हो गई है, ***(अपमस्य चित्)*** अनाथ एवं दीन दुःखियों के भी ***(अवितारा भवथः)*** रक्षक होवो। ***(अन्धस्य चित्)*** आप अन्धे और ***(कृशस्य चित्)*** दुर्बल तक के रक्षक हो। ***(युवाम्)*** आप दोनों को ***(इत्)*** इसीलिये ***(रुतस्य चित्)*** रोगियों के ***(भिषजा आहुः)*** चिकित्सक या वैद्यराज के नाम से कहते हैं।

लोग भगवान् के पश्चात् वैद्य, हकीम या डॉक्टर को ही सम्मान देते हैं। शरीर, इन्द्रिय, मन और आत्मा के संयोग का नाम ही आयु है। धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष का मूल उत्तम स्वास्थ्य का होना ही है। जो इस ज्ञान का मार्गदर्शन अर्थात् आयु को बताने वाला वेद है उसे आयुर्वेद कहते हैं। जो स्वास्थ्य प्रदान करे उसे ही औषध कहा जाता है। जिसे ओषधी का नाम, पहचान और रोग विशेष में उसके प्रयोग करने का ज्ञान हो वही सद्वैद्य माना जाता है।

योगमासां तु यो विद्यात् देशकालोपपादितम्। पुरुषं पुरुषं वीक्ष्य स ज्ञेयो भिषगुत्तमः॥

चरक० सू० १.१२४

जो वैद्य प्रत्येक पुरुष की परीक्षा करके देश, काल के अनुसार ओषधियों का प्रयोग करना जानता हो उसे उत्तम वैद्य जानना चाहिये। इन्हें ही नासत्या अर्थात् सद्वैद्य मन्त्र में कहा है। मूर्ख वैद्यों का लक्षण इस प्रकार किया है—

दुःखिताय शयानाय श्रद्दधानाय रोगिणे। यो भेषजमविज्ञाय प्राज्ञमानी प्रयच्छति॥

त्यक्तधर्मस्य पापस्य मृत्युभूतस्य दुर्मते। नरो नरकपाती स्यात् तस्य सम्भाषणादपि॥

च०सू० १.१३०-१३१

अपने को ज्ञानी समझने वाला जो वैद्य दुःखी, शय्या पर पड़े हुये, श्रद्धालु रोगी को बिना विचारे औषध देता है, उस धर्महीन, पापी, मृत्यु-तुल्य, दुर्मति, मूर्ख वैद्य से बात करने से भी नरक की प्राप्ति होती है। इसे यमराज का सहोदर कहा है—

वैद्यराज नमस्तुभ्यं यमराज सहोदर। यमो हरति प्राणानि त्वं प्राणं च धनानि च।।

हे यमराज के भाई मूर्ख वैद्य! तुझे दूर से ही नमस्कार करता हूँ। यम तो केवल प्राणों का ही हरण करता है परन्तु तुम प्राण और धन दोनों का हरण करते हो। चरक संहिता में आगे वैद्यों की तीन श्रेणियाँ बतलाई हैं—छद्मचर [नकली] वैद्य, सिद्ध-साधित किसी अच्छे वैद्य के कुछ नुस्खों से चिकित्सा करने वाले और वैद्य के गुणों से सुभूषित वैद्य—

१. छद्मचर वैद्य—

वैद्यभाण्डौषधैः पुस्तैः पल्लवैरवलोकनैः। लभन्ते ये भिषक् शब्द मज्ञास्ते प्रतिरूपकाः॥

चरक० सू० ११.५१

वैद्यों के रखने योग्य सामान-पात्र, आलमारी, बोतल भेषज पेटी, स्टेथस्कोप आदि, चार्ट, और वैद्यों की भाँति नाड़ी देखने, हृदयगति, रक्तचाप आदि की विधियों का जो अनुकरण करते हैं वे छद्मचर=नकली वैद्य हैं।

२. सिद्ध-साधित वैद्य—

श्रीयशोज्ञानसिद्धानां व्यपदेशादतद्विधाः। वैद्यशब्दं लभन्ते ये ज्ञेयास्ते सिद्धसाधिताः॥ चरक०सू० ११.५२

जो किसी सुप्रसिद्ध वैद्य का अपने को शिष्य बताये या अमुक सिद्ध पुरुष ने मुझे आशीर्वाद दिया है अथवा इधर-उधर से किसी अच्छे वैद्य के योगों को चुरा कर जो चिकित्सा करता है वह सिद्ध-साधित वैद्य है।

३. सद्वैद्य—

प्रयोग ज्ञान विज्ञान सिद्धिसिद्धाः सुखप्रदाः। जीविताभिसरास्ते स्युर्वैद्यत्वं तेष्ववस्थितम्॥ चरक०सू० ११.५३

जो वैद्य ज्ञान, विज्ञान, देश, काल, मात्रा, दोष, दूष्य के आधार पर चिकित्सा करना जानता हो, सिद्ध अर्थात् जिसकी दी गई औषध रामबाण हो, सुख को देने वाला हो उसे ही जीवन को देने वाला वैद्य कहते हैं।

मन्त्र में ऐसे सद्वैद्यों की प्रशंसा करते हुये कहा है—

अमाजुरश्चिद् भवथो युवं भगं चित् हे सद् वैद्यो! आप गृहस्थ जनों के पारिवारिक चिकित्सक हो। उन्हें शरीर स्वस्थ कैसे रहे इस विषय में स्वस्थवृत्त अर्थात् आहार-विहार का भी उपदेश देते हो जिसका पालन करके वे समय से पहले वृद्धावस्था को प्राप्त नहीं होते।

अनाशोश्चिदवितारापमस्य चित्— जिन लोगों की पाचन शक्ति मन्द हो गई है। जिन्हें भूख नहीं लगती उन्हें आप कैसा भोजन करें और पाचन शक्ति को बढ़ाने के लिये किन औषधियों का सेवन किस विधि से किया जाये, यह सारी जानकारी देते हो। इसी भाँति जिनके रस, रक्त, शुक्रादि धातु क्षीण हो गये हैं उन्हें आहार, निद्रा, ब्रह्मचर्य का पालन और रसादि धातुओं की वृद्धि करने वाले रसायन औषध सेवन करा कर उन्हें फिर से यौवन प्रदान करते हो।

अश्विनौ हे औषध-विद्या में निष्णात वैद्यो! आप केवल धनी या प्रतिष्ठित लोगों के ही चिकित्सक नहीं हो अथवा केवल धन लेकर चिकित्सा करना तुम्हारा उद्देश्य नहीं है अपितु प्रत्येक पुरुष में एक जैसी ही आत्मा और भगवान् का निवास है सो **नर सेवा-नारायण सेवा** का आदर्श मान आप **अन्धस्य चिन्नासत्या कृशस्यचित्** अन्धे, असहाय और दुर्बल रोगियों की भी चिकित्सा करते हो। तुम्हारा व्यवहार पहले फीस जमा कराओ और फिर तुम्हारी चिकित्सा होगी, ऐसा नहीं है। मानवता भी कोई चीज है इसलिये जो अनाथ, असहाय या निर्धन लोग तुम्हारे पास जीवन की आशा लेकर आते हैं, उन्हें तुम निराश नहीं करते।

हे सद्वैद्यो! तुम्हारे सिद्धहस्त और इन मानवीय गुणों के कारण ही तुम्हें लोग भगवान् के समान मान तुम्हारा आदर करते हैं। **युवामिदाहुर्भिषजा रुतस्य चित्** और वैद्य तो वही हैं जिनके द्वार पर कोई भी चला जाये, उसे औषध मिलती ही है, इनके यहाँ भेदभाव नहीं है, लोग आपस में ऐसी चर्चा करते हैं। *—क्रमशः*

समस्त विद्यालयों एवं विद्यार्थियों को उत्कृष्ट परिणामों हेतु
हार्दिक शुभकामनाएं

आर्य विद्या परिषद् दिल्ली द्वारा
समस्त विद्यालयों/आर्य शिक्षण संस्थाओं हेतु प्रकाशित

नैतिक शिक्षा की पुस्तकें

नर्सरी से 12वीं कक्षा तक। पूरे सैट का मूल्य 400/-

आकर्षक छूट 25%

बेहतरीन कागज पर आकर्षक छपाई में तैयार कराई गई नैतिक शिक्षा की पुस्तकें छात्रों के नैतिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक ज्ञान तथा राष्ट्रीय भावना जागृत करने वाली हैं। आर्य विद्या परिषद् द्वारा प्रकाशित कराई गई नैतिक शिक्षा की ये पुस्तकें दिल्ली के समस्त विद्यालयों/शिक्षण संस्थाओं के साथ-साथ दिल्ली से बाहर अन्य प्रदेशों के विद्यालयों के पाठ्यक्रम में भी नर्सरी से कक्षा 12वीं तक लागू हैं। अपने विद्यालय/शिक्षण संस्था के लिए आवश्यकतानुसार मंगवाने के लिए सभा कार्यालय से सम्पर्क करें।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली- 110001
☎ : 23360150; Email : aryasabha@yahoo.com

ओ३म्

भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण (द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)

सत्य के प्रचारार्थ

सत्यार्थ प्रकाश

सत्य के प्रचारार्थ

● प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु. प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
● विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु. प्रचारार्थ 50 रु.	
● स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.	प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन

कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें

आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

साप्ताहिक आर्य सन्देश में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक मंडल अथवा दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का सैद्धान्तिक मतैक्य होना आवश्यक नहीं है। - सम्पादक

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के अन्तर्गत आर्य विद्या सभा दिल्ली के तत्त्वावधान में

वार्षिक खेल-कूद एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन

नाम प्रतियोगिता	दिन/दिनांक/समय	स्थान	विवरण/विषय/वर्ग	सम्पर्क
चित्रकला प्रतियोगिता	सोमवार 29 जुलाई प्रात: 9 बजे	**दयानन्द आदर्श विद्यालय,** आर्यसमाज तिलक नगर नई दिल्ली-110018 **नोट :** प्रत्येक वर्ग में एक विद्यालय से केवल तीन प्रतिभागी ही भाग ले सकते हैं।	वर्ग -1 (5 से 8 वर्ष तक) रंग भरना वर्ग - 2 (8+ से 10 वर्ष) रंग भरना वर्ग - 3 (10+ से 12 वर्ष) चित्र बनाना व रंग भरना 1. राष्ट्रीय पक्षी मोर 2. भारतीय त्योहार वर्ग -4 (12+ से 14 वर्ष) चित्र बनाना व रंग भरना 1. प्रदूषण 2. अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन का चिह्न (लोगो) वर्ग - 5 (14+से 17 वर्ष) पोस्टर बनाना 1. नशा - एक अभिशाप, 2. कृण्वन्तो विश्वमार्यम्	संयोजक - बलदेवराज आर्य (9312220135) प्रबन्धक : नरोत्तमदेव सचदेव (9910650446) इंचार्ज - श्रीमती नीरु (9313671647)
नारा लेखन (स्लोगन) प्रतियोगिता	मंगलवार 6 अगस्त प्रात: 9 बजे	**रतनचन्द आर्य प. स्कूल,** आर्यसमाज सरोजनी नगर वाई ब्लाक, न.दि.-23	वर्ग -1 (कक्षा 4 से कक्षा 5) विषय : जल अथवा स्वच्छता वर्ग - 2 (कक्षा 6 से कक्षा 8) विषय : गौ रक्षा अथवा पर्यावरण वर्ग - 3 (कक्षा 9 से 10) विषय : राष्ट्रीय एकता विषय : 4 (कक्षा 11 से 12) विषय : नारी सुरक्षा व शिक्षा	अध्यक्ष : पुरुषोत्तम लाल गुप्त (9811599004) प्रबन्धक : मनोहर लाल गुप्त (9868989618) प्रधानाचार्या : नमिता पालित (9868192510)
आशुभाषण प्रतियोगिता	शुक्रवार 30 अगस्त प्रात: 9 बजे	**दयानन्द मॉडल स्कूल,** विवेक विहार, दिल्ली दिल्ली-110091	वर्ग -1 (कक्षा 6 से कक्षा 8) वर्ग - 2 (कक्षा 9 से कक्षा 10) वर्ग - 3 (कक्षा 11 से 12) प्रत्येक प्रतिभागी को 3 मिनट का समय दिया जाएगा।	अध्यक्ष : विशम्भरनाथ भाटिया (9818283777) प्रबन्धक : प्रवीन भाटिया (9810336633) श्रीमती सीमा भाटिया (9810558999)
समूहगान प्रतियोगिता	सोमवार 2 सितम्बर प्रात: 9 बजे	**महर्षि दयानन्द प. स्कूल,** आर्यसमाज न्यू मोती नगर नई दिल्ली-110015	वर्ग -1 बाल वर्ग (कक्षा 5 तक) वर्ग -2 कनिष्ठ वर्ग (कक्षा 6 से 8) वर्ग - 2 वरिष्ठ वर्ग (कक्षा 9 से 12) विषय : महर्षि दयानन्द सरस्वती को समर्पित गीत नियम : 1. एक टीम में अधिकतक 10 विद्यार्थी ही भाग ले सकते हैं। 2. विद्युत वाद्य यंत्र का निषेध है। 3. वाद्य यत्र प्रतियोगी स्वयं बजाएंगे।	प्रबन्धक : सुरेश टंडन (9811982493) प्रधानाचार्या : इन्दिरा छाबड़ा (9868992733)
भाषण प्रतियोगिता	मंगलवार 17 सितम्बर प्रात: 9 बजे	**आर्य वीर मॉडल स्कूल** बादली, दिल्ली-110042	वर्ग -1 बाल वर्ग (कक्षा 1 से 5 तक) विषय : आदर्श विद्यार्थी वर्ग -2 कनिष्ठ वर्ग (कक्षा 6 से 8) विषय : महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की राष्ट्र को देन वर्ग - 3 वरिष्ठ वर्ग (कक्षा 9 से 12 तक) विषय : जीवन में संस्कारों का महत्त्व	प्रबन्धक: महेन्द्रपाल मनचन्दा प्रधानाचार्या : उर्मिला मनचन्दा (011-64543030)
एकांकी प्रतियोगिता	गुरुवार 26 सितम्बर प्रात: 9 बजे से	**आर्य मॉडल स्कूल,** आर्यसमाज आदर्श नगर दिल्ली-110033 **नोट :** एक विद्यालय से एक ही प्रतिभागी भाग लेगा। भाषण 3 मिनट का होगा।	विषय : आर्य महापुरुषों के जीवन के प्रेरक प्रसंग पर आधारित नियम : 1. एक विद्यालय से एक टीम भाग लेगी। 2. वेशभूषा प्रसंग के अनुरुप होना आवश्यक है। 3. प्रतियोगियों की संख्या अधिकतम 15 तक हो। 4. वाद्ययंत्रों का प्रयोग किया जा सकता है	अध्यक्ष : ओम प्रकाश चुघ (9811679226) प्रबन्धक : प्रकाशवीर बत्रा (9818280184) प्रधानाचार्या : प्रोमिला सिंह (8860494523)
खेल-कूद प्रतियोगिताएं	सोमवार 29 सितम्बर से शनिवार 5 अक्तूबर	**एस. एम. आर्य प. स्कूल** पश्चिमी पंजाबी बाग नई दिल्ली-110026	विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं की सूचना अलग से भेजी जाएगी व प्रकाशित होगी। प्रबन्धक : अरविन्द नागपाल (9212130210)	अध्यक्ष : सत्यानन्द आर्य (9313923155) प्रधानाचार्या : अंजलि कोहली (9212700374)

दिल्ली के समस्त शिक्षण संस्थानों, गुरुकुलों एवं विद्यालय के अधिकारियों से निवेदन है कि अपने यहां से अधिकाधिक विद्यार्थियों को इस प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

-: निवेदक :-

ब्र. राजसिंह आर्य	**धर्मपाल आर्य**	**विनय आर्य**	**अनिल तनेजा**	**सुरेन्द्र कुमार रैली**
प्रधान	व. उप प्रधान	महामन्त्री	कोषाध्यक्ष	प्रस्तोता

दिल्ली के आर्यसमाजों की ओर से पाक हिन्दू शरणार्थियों की सहायतार्थ राशि सौंपी

"जान जाए तो जाए मेरा वैदिक धर्म न जाए" – इसी भावना को मन में बसाकर पाकिस्तान से भारत लौटे हिन्दू परिवार जो कि मार्च–अप्रैल में शरणार्थी के रूप में भारत की राजधानी दिल्ली में पहुंचे। दिल्ली के बृजवासन में श्री नाहर सिंह जी के यहां ठहरे। आर्यसमाज स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में आर्यसमाज की ओर से उन्हें भरसक सहायता पहुंचाने का आश्वासन दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा किया गया। सभा ने इसके लिए अपनी अन्तरंग सभा में भी सहयोग की अपील की। सभा की अपील पर दानी महानुभावों की ओर से अभी तक प्राप्त सहयोग राशि **2 लाख 38 हजार 200 रुपये की राशि का चैक 'नाहर सिंह' के नाम बनाकर बृजवासन स्थित उनके आवास पर दिया गया।**

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से यह सहयोग राशि सभा मन्त्री श्री सुरेन्द्र गुप्ता, श्री वेद प्रकाश सिंहल एवं आर्य सन्देश के सह व्यवस्थापक आर्य डॉ. ओम प्रकाश भटनागर जी ने श्री नाहर सिंह जी को सौंपी।

'शिक्षा का दान सबसे बड़ा' : आर्यसमाज ने बांटी निराश्रितों को अध्ययन सामग्री

जिला आर्य प्रतिनिधि सभा कोटा की ओर से बुधवार को मधुस्मृति संस्थान में निराश्रित बच्चों के बीच अध्ययन सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला प्रधान अर्जुनदेव चढ्डा, प्रचार मंत्री अरविंद पाण्डेय, रामप्रसाद याज्ञिक तथा

अग्निमित्र शास्त्री के द्वारा बच्चों को कॉपी, पेन–पेंसिल, शॉपर्नर, रबर आदि का वितरण किया गया।

जिला प्रधान अर्जुनदेव चढ्डा ने कहा कि लोग मंदिर में जाकर शीश झुकाते हैं और पूजन सामग्री भेंट चढ़ाते हैं। शिक्षा का दान सबसे बड़ा दान होता है। भगवान रुपी बच्चों को शिक्षण सामग्री का दान करने से सर्वाधिक पुण्य प्राप्त होता है। आर्य समाज सदा से इस प्रकार के पुण्य के कार्य करता रहा है। उन्होंने संस्थान को विश्वास दिलाया कि आर्य समाज आगे भी इस प्रकार से मदद देता रहेगा।

– शेष पृष्ठ 7 पर

"शत हस्त समाहर सहस्त्र हस्त सं किर"
"सौ हाथों से कमाओ हजार हाथों से दान करो"

पीड़ितों की सेवा ही हम सबका राष्ट्रीय एवं धार्मिक कर्त्तव्य

आर्यजन दिल खोलकर दान दें

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के आह्वान पर उत्तराखण्ड बाढ़ पीड़ितों सहायतार्थ दान की अपील पर प्राप्त दान की सूची

गतांक से आगे –

155	आर्यसमाज चौरा माजरा	5100
156	श्रीमती श्रद्धायति, करनाल	500
157	सर्वश्री रतनलाल, करनाल	500
158	अमरमुनि, करनाल	5100
159	ओमप्रकाश आर्य, करनाल	2100
160	श्रीमती शारदा देवी, करनाल	5100
161	श्रीमती राजरानी, करनाल	1100
162	रमेशचन्द्र भाटिया, करनाल	500
163	हरीश मदान, करनाल	1100
164	आर्यसमाज सै.7–8, करनाल	1100
165	आर्यसमाज महरौली, दिल्ली	1100
आर्यसमाज यमुना विहार, दिल्ली द्वारा एकत्र		
166	सुरेशचन्द्र गुप्ता	200
167	धीरज सिंह	100
168	सुरेश	100
169	तेजसिंह	100
170	राजकुमार	500
171	रामनाथ	100
172	रामरत्न	100
173	रजनीश अग्रवाल	100
174	राधेश्याम महेश्वरी	100
175	वीर बहादुर ढींगरा	500
176	रामस्वरूप शास्त्री	500
177	रघुवीर	50
178	सत्यप्रकाश	500
179	शिवदत्त शर्मा	200
180	रामकुमार शर्मा	1000
181	सुशील कुमार शर्मा	1100
182	गुप्त दान	200
183	शर्माजी	200
184	फकीरचन्द गुप्ता	500
185	ए. पी. जैन	100
186	रामकुमार बदालिया	1100
187	कृष्ण कुमार सिंगला	2100
188	विश्वास वर्मा	501
189	वेद प्रकाश रोहेल्ला	500
190	ज्ञान प्रकाश सीकरी	500
191	श्रीमती सरला खन्ना	100
192	विश्वामित्र रहेजा	500
193	श्रीमती शशि जुनेजा	1000
194	गुप्तदान	100
195	श्रीमती सुमन खारी	1100
196	मुकेश पंवार	500
197	प्रेमचन्द वर्मा	100
198	श्रीमती कुसुमलता	101
199	बलबीर सिंह	101
200	शिव कुमार मेहरा	100
201	के. के. भटेना	100
202	मानवेन्द्रशर्मा	100
203	ललित	100
204	श्रभ्मती सुषमा टंडन	1051
205	आर्यसमाज यमुना विहार	5796

– क्रमशः

इस मद में दान देने वाले दानी महानुभावों के नाम इसी प्रकार आर्य सन्देश के आगामी अंकों में भी प्रकाशित किये जाएंगे। – *महामन्त्री*

उत्तराखण्ड त्रासदी से पीड़ित परिवारों के लिए आर्यसमाज के राहत सामग्री संग्रह केन्द्र

आर्यजन अधिकाधिक मात्रा में राहत सामग्री एकत्र कर इन स्थानों पर भेजें। आप द्वारा भेजी गई राहत सामग्री पीड़ित परिवारों के पुनर्वास में सहायक होगी।

आप दाल, चावल, तेल, मोमबत्ती, चाय, माचिस, मसाले, आदि भेज सकते हैं। कपड़े केवल नए ही भेजें।

आर्य समाज हनुमान रोड, नई दिल्ली

आर्य समाज धामावाला देहरादून (उत्तराखंड)

आर्य समाज हल्द्वानी नैनीताल (उत्तराखंड)

'शत हस्त समाहर सहस्त्र हस्त सं किर'
अर्थात् – सौ हाथों से कमाओ हजार हाथों से दान करो

उत्तराखण्ड बाढ़ पीड़ितों की सहायतार्थ तन–मन–धन से सहयोग करें आर्यजन

दानी सज्जन अपनी दान राशि निम्न बैंक खातों में जमा कराएं

'सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा' – खाता सं. 09481000000276
पंजाब एंड सिंध बैंक, IFSC - PSIB 0020948 MICR - 110023121

'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा' – खाता सं. 1098101000777
केनरा बैंक, IFSC - CNRB 0001098 MICR - 110015025

'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा' खाता सं. 910010008984897
एक्सिज बैक, IFSC - UTIB0000223 MICR - 110211025

विशेष : जो सज्जन/संस्थाएं अपनी दान राशि पर आयकर छूट चाहते हैं वे अपनी राशि दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के नाम सभा के उपरोक्त बैंक खाते में जमा कराएं। कृपया अपनी दान राशि जमा करने के बाद तत्काल मो. 9540040339 पर श्री विजय आर्य को सूचित करके aryasabha@yahoo.com तथा dapsvijayarya@gmail.com पर डिपोजिट स्लिप ईमेल करें ताकि उन्हें रसीद भेजी जा सके – *विनय आर्य, महामन्त्री*

प्रथम पृष्ठ का शेष

पांचवां आर्य परिवार युवक युवती परिचय सम्मेलन.........

सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं जिनके माध्यम से 238 युवक युवतियां आपस में वैवाहिक बंधन में बंध चुके हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों श्री विद्यामित्र ठकराल, श्री अजय सहगल, श्री विनय आर्य, श्री अर्जुनदेव चड्ढा, श्री प्रियवत आर्य के द्वारा दीप प्रज्जवलन व ईश्वर स्तुति प्रार्थना उपासना के मंत्रों के उच्चारण के साथ हुआ। इस अवसर पर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री विनय आर्य ने कहा कि यहां उपस्थित सभी युवक तथा युवतियां और उनके अभिभावक जाति के बंधन को भुलाकर केवल आर्य समाज के विकास में आगे बढ़ें और योग्य वर तथा वधू का चयन करें।

कार्यक्रम में महिला संयोजिका दिल्ली श्रीमती विभा आर्या ने आह्वान किया कि आज यहां उपस्थित सभी बहनें और भाई यह संकल्प लें कि जाति के बंधन तोड़कर और दहेज न लेने वाले से ही विवाह करेंगे। महर्षि दयानन्द स्मारक ट्रस्ट टंकारा गुजरात के ट्रस्टी अजय सहगल ने कहा कि समान विचारधारा वाले युवक युवतियों का यह वैवाहिक परिचय सम्मेलन आर्य समाज की नई पीढ़ी के निर्माण के लिए महत्त्वपूर्ण कदम साबित होगा।

इस अवसर पर बिहार राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री गंगा प्रसाद आर्य ने कहा कि दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का यह अभिनव प्रयास सर्वथा प्रशंसनीय है जिसके कुछ समय बाद भविष्य में दूरगामी परिणाम आएंगे। इस प्रकार के आयोजन प्रांतीय स्तर पर तथा अन्य महानगरों में भी किए जाने चाहिए जिससे क्षेत्रीय लोगों को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ा जा सके। प्रधान प्रियव्रत आर्य व मंत्री एस.डी. नांगिया ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हमारे आर्य समाज में इस प्रकार का आर्य परिवारों को जोड़ने का भव्य आयोजन हुआ। हम सार्वदेशिक सभा और दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के आभारी हैं। इस अवसर पर राजीव आर्य महामंत्री आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली, श्री धर्मपाल आर्य वरिष्ठ उप प्रधान दिल्लीसभा, मंत्री सुरेशचन्द्र गुप्ता, सुखबीर सिंह आर्य तथा आर्य विद्वान डॉ. देव शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए।

सभा उप प्रधान श्री शिव कुमार मदान ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया।

वैदिक विद्वान डॉ. देव शर्मा जी ने महर्षि दयानन्द जी के विचार विवाह के सम्बन्ध में प्रस्तुत करते हुए गुण–कर्म–स्वभाव मिलाने पर जोर दिया न केवल धन–सम्पत्ति को आधार बनाकर।

आर्य परिवारों के इस वैवाहिक परिचय सम्मेलन के सूत्रधार श्री विनय आर्य महामंत्री दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा ने बताया कि कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में युवक युवतियों को सम्मिलित करने के उद्देश्य से विभिन्न राज्यों में प्रान्तीय स्तर पर दिल्ली के श्री गोविन्द नागपाल, गुजरात के श्री सुरेशचन्द्र आर्य अहमदाबाद, राजस्थान के श्री अमर मुनि जी, उत्तरप्रदेश के श्री अशोक आर्य, आन्ध्रप्रदेश के श्री धर्म तेजा हैदराबाद, छत्तीसगढ के श्री दीनानाथ वर्मा, महाराष्ट्र के डॉ. ब्रह्ममुनि जी, उत्तराखण्ड के श्री विनय विद्यालंकार, विदर्भ के श्री कृष्ण कुमार शास्त्री, जम्मू कश्मीर के श्री राकेश चौहान, हरियाणा के श्री कन्हैयालाल आर्य, हिमाचल प्रदेश के श्री श्री रामफल आर्य, उडीसा के श्री स्वामी सुधानन्द जी, असम के श्री लोकेश आर्य तथा पंजाब के श्री दिनेश शर्मा को क्षेत्रीय संयोजक बनाया गया था। साथ ही श्रीमती वीना आर्या, श्रीमती रश्मि वर्मा, श्रीमती विभा आर्या को महिला संयोजक नियुक्त किया गया। इसके अलावा जिला स्तर पर भी जिला संयोजक बनाए गए।

श्री विनय आर्य ने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न प्रकार के काउंटर लगाए गए थे जिनमें पूछताछ, तत्काल पंजीयन, स्मारिका वितरण, बैज वितरण, सामान्य व्यवस्था, सुझाव एवं सुधार आदि स्टॉलों को श्रीमती विभा आर्या, श्रीमती वीना आर्या के नेतृत्व में उनकी टीम जिसमें श्रीमती सुधा आर्या, शालिनी आर्या, पुष्पा महावर, सुश्री हविषा आर्या ने बखूबी संभाल रही थी। श्रीमती विभा आर्या ने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर विशेष रूप से तत्काल पंजीयन की व्यवस्था की गई थी। जिसमें 19 युवक व 15 युवतियां कुल 34 ने तत्काल पंजीयन कराया।

दिल्ली प्रदेश के संयोजक श्री गोविंद लाल नागपाल ने बताया कि कार्यक्रम से पूर्व 62 युवक व 62 युवतियों का पंजीयन किया गया था। पंजीकृत आर्य युवक युवतियों के बायोडेटा मय फोटो की एक पुस्तिका प्रकाशित की गई थी। प्लास्टिक कवर में विवरिणका पुस्तक के साथ वर्तमान में आर्य परिवार युवक युवती परिचय सम्मेलन की आवश्यकता, आर्य समाज और अन्तर्जातीय विवाह वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, नेत्रदान जागरुकता, रक्तदान जागरूकता, कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता, वृक्षारोपण तथा वनों का महत्व, जल बचाओ– कल बचाओ इत्यादि सामाजिक चेतना से संबंधित विषयों की मुद्रित सामग्री रखी गई।

सम्मेलन के आरंभ में सभी पंजीकृत प्रत्याशियों तथा उनके अभिभावकों को अलग अलग रंग में उनके क्रमांक सहित बैज लगाए गए ताकि विवरिणका के अनुसार युवक युवती प्रत्याशी की पहचान की जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित युवक तथा युवतियों ने मंच पर आकर आत्मविश्वासपूर्वक अपना परिचय दिया। उपस्थित सभी ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। कुछ अभिभावकों ने भी अपने विवाह योग्य पुत्र– पुत्रियों का परिचय मंच पर दिया जिसे कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों तथा युवक युवतियां ने गंभीरतापूर्वक सुना तथा अपनी पुस्तिका में नोट भी किया।

कार्यकम का संचालन श्री विनय आर्य, श्री अर्जुनदेव चड्ढा, श्री गोविन्द लाल नागपाल के द्वारा किया गया। श्री धर्मपाल ने कहा कि इस प्रकार के सम्मेलन सम्पूर्ण देश में विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जाने चाहिए, क्योंकि इससे एक छत के नीचे एक समान विचार वाले लोगों के रिश्ते देखने, जानने तथा पहचानने को मिलते हैं। कार्यक्रम में आर्य समाज ग्रेटर कैलाश पार्ट–2 द्वारा आगन्तुकों के लिए निवास, चाय नाश्ता

– जारी पृष्ठ 7 पर

5वें आर्य परिवार विवाह योग्य युवक–युवती परिचय सम्मेलन में उपस्थित प्रतिभागी सम्मेलन संयोजक श्री अर्जुन देव चड्ढा जी के साथ

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2012 दिल्ली के अवसर पर घोषित

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-डरबन (दक्षिण अफ्रीका)

28, 29, 30 नवम्बर एवं 1 दिसम्बर, 2013

* * *

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दक्षिण अफ्रीका

(विश्व वेद सम्मेलन, 2013)

[illegible]

भव्य द. अफ्रीका यात्रा नं. 1 (15 रात्रि 16 दिन)

19 नवम्बर से 03 दिसम्बर 2013 तक

[illegible]

-: कार्यक्रम :-

20, 21 नवम्बर 2013	[illegible] (2 रात्रि)
22 नवम्बर 2013	जोहान्सबर्ग (1 रात्रि)
23, 24, 25 नवम्बर 2013	केपटाउन (3 रात्रि)
26, 27 नवम्बर 2013	[illegible] (2 रात्रि)
28, 29, 30 नव. तथा 1 दि. 2013	4 दिन डरबन सम्मेलन (4 रात्रि)
2 दिसम्बर 2013	डरबन भ्रमण (1 रात्रि)

[illegible]

भव्य डरबन सम्मेलन यात्रा नं. 2 (7 रात्रि 8 दिन)

27 नवम्बर से 3 दिसम्बर 2013 तक

[illegible]

यात्रा नं. 1 के लिये यात्रा-व्यय का भुगतान यात्रा-संयोजक के पते पर निम्न प्रकार करना है :

सभी यात्रियों को	₹ 50,000	का एडवांस पेमेन्ट KUONI TRAVELS (INDIA) PVT. LTD. (Payable at Mumbai) के नाम अधिकतम 31 अगस्त 2013 तक करना है।
मुंबई से जाने वालों को	₹ 1,35,000	का शेष पेमेन्ट KUONI TRAVELS (INDIA) PVT. LTD. (Payable at Mumbai) के नाम अधिकतम 20 अक्टूबर 2013 तक करना है।
दिल्ली से जाने वालों को	₹ 1,40,000	का शेष पेमेन्ट KUONI TRAVELS (INDIA) PVT. LTD. (Payable at Mumbai) के नाम अधिकतम 20 अक्टूबर 2013 तक करना है।

यात्रा नं. 2 के लिये यात्रा-व्यय का भुगतान यात्रा-संयोजक के पते पर निम्न प्रकार करना है :

सभी यात्रियों को	₹ 25,000	का एडवांस पेमेन्ट KUONI TRAVELS (INDIA) PVT. LTD. (Payable at Mumbai) के नाम अधिकतम 31 अगस्त 2013 तक करना है।
मुंबई से जाने वालों को	₹ 65,000	का शेष पेमेन्ट KUONI TRAVELS (INDIA) PVT. LTD. (Payable at Mumbai) के नाम अधिकतम 20 अक्टूबर 2013 तक करना है।
दिल्ली से जाने वालों को	₹ 70,000	का शेष पेमेन्ट KUONI TRAVELS (INDIA) PVT. LTD. (Payable at Mumbai) के नाम अधिकतम 20 अक्टूबर 2013 तक करना है।

(A) [illegible] KUONI TRAVELS (INDIA) PVT. LTD. [illegible]

(B) [illegible]

(C) [illegible] SOTC [illegible]

[illegible]

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा दिल्ली

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दक्षिण अफ्रीका हेतु आवेदन

[illegible]

पृष्ठ 5 का शेष

तथा भोजन की व्यवस्था की गई। आर्य परिवार युवक युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन में अपना सक्रिय सहयोग देने वालों को दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा ने स्मृति चिह्न प्रदान कर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। अर्जुनदेव चड्ढा ने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर 23 परिवारों ने आपस में मिलकर बातचीत कर रिश्ते की बात को आगे बढाया।

कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय संयोजक अर्जुनदेव चड्ढा ने आगन्तुक अतिथियों कार्यकर्त्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामाजिक समानता पर आधारित एक जाति विहीन समाज की स्थापना में आर्य समाज के ये सम्मेलन मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने उपस्थित युवक–युवतियों एवं अभिभावकों का इस कार्यक्रम में शामिल होने पर धन्यवाद ज्ञापित किया। शान्ति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रियवत आर्य प्रधान आर्य समाज ग्रेटर कैलाश पार्ट– 2, मंत्री एस.डी. नांगिया, कोषाध्यक्ष एसके कोहली, श्री कंवर भान खेत्रपाल, श्री आशीष गुप्ता, रामप्रसाद याज्ञिक कोटा, आचार्य अग्निमित्र शास्त्री कोटा का भी सहयोग रहा।

आर्यवीर प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

वेद प्रचार मंडल आर्यावर्त के तत्त्वावधान में आचार्य चन्द्रदेव शास्त्री जी के सान्निध्य में जनपदीय आर्यवीर दल फर्रुखाबाद द्वारा युवाओं के उज्ज्वल चरित्र निर्माण हेतु सात दिवसीय आर्यवीर दल प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह 23 जून, 2013 को सम्पन्न हुआ। इस शिविर में कई जनपदों के लगभग 100 से अधिक शिविरार्थियों ने भाग लेकर योगासन, प्राणायाम, जूडो कराटे, लाठी भाला लक्ष्य भेद व ऐडवेंचर स्पोर्टस आदि का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस अवसर पर आचार्य चन्द्रदेव शास्त्रीने कहा कि युवा शक्ति इस राष्ट्र के भविष्य की पूंजी है जिसे पाश्चात्य संस्कृति के दुष्प्रभाव से बचकर भारतीय वैदिक संस्कृति को अपने जीवन में धारण करना चाहिए। युवाओं का चरित्र निर्माण कर उन्हें महान राष्ट्रभक्त बनाने के उददेश्य से ही इस शिविर का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का संचालन योगेश शास्त्री, प्रान्तीय संचालन आर्य वीर दल पश्चिम बंगाल ने किया। *– सन्दीप कुमार आर्य, संचालक, जनपदीय आर्यवीर दल फर्रुखाबाद*

प्रथम पृष्ठ का शेष

प्रतिभागी युवक-युवती .....

- आर्य विचारों से ओतप्रोत परिवार वर्तमान में कम मिलते हैं। ऐसे परिवारों से मिलने का सौभाग्य प्रदान कराने वाला यह बहुत अचछा कार्यक्रम है। *– सोमरत्न आर्य, (युवती अभि.) अजमेर*
- जातिवाद से ऊपर उठकर विवाह के लिए मंच उपलब्ध कराना यह आर्य समाज का महत्वपूर्ण कदम है। *– एस. बी. गुप्ता, (युवती अभि.) दिल्ली*
- आर्य समाज के द्वारा इस प्रकार का कार्य बिना व्यवसाय के किया जा रहा है। इसकी जितनी प्रशंसा की जाए, उतनी कम है। आर्य समाज को इसके लिए बहुत धन्यवाद। *– लाजपतराय, (युवती अभि.) गाजियाबाद*
- यह बहुत अच्छा कार्यक्रम है। ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिएं, जिससे दो आर्य परिवार मिल सके। *– सौरभ कठपालिया, प्रतिभागी, दिल्ली*
- इस प्रकार के कार्यक्रम में हर बार आते हैं। इसके माध्यम से ही मेरी तथा मेरे मित्र की पुत्री का रिश्ता तय हुआ। आज वे सभी सुखी हैं। आर्य समाज इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है, इसके लिए साधुवाद। *– सुखबीर सिंह आर्य, (युवती अभि.) दिल्ली*
- यह बहुत अच्छा कार्यक्रम है। इसके द्वारा आपस में योग्य परिवारों से मिलना होता है। जिससे सही वर वधु के चयन में आसानी होती है। *– महेश कुमार, प्रतिभागी, काशीपुर, उत्तराखण्ड*
- मैं पहली बार आई हूं, बहुत अच्छा कार्यक्रम है। व्यवस्थाएं बहुत अच्छी व सुचारू हैं। *– सोमबाला सक्सेना, (अभि. युवक) कोटा*
- पहली बार इस प्रकार के कार्यक्रम में आई हूं। जातिवाद के बंधन को तोड़कर आगे बढने का बहुत अच्छा कार्यक्रम है। *– दीक्षा चोपडा, प्रतिभागी दिल्ली*
- हमने स्वयं अन्तर्जातीय विवाह कियास है। जातिवाद एवं दहेज के विरुद्ध आवाज बुलंद करने का यह दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का एक चमत्कारिक कार्य है। *– राकेश भटनागर, (युवती अभि.) कालकाजी*
- 'मैं पहली बार इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए इण्डिया आया हूं। मैं चाहूंगा कि इस प्रकार का कार्यक्रम आर्य समाज द्वारा हमारे यहां मारीशस में भी आयोजित किया जाएगा। *– हंसराज त्रिलोकचंद, प्रतिभागी, मारीशस*
- 'आर्य समाज को आगे बढाने के लिए यह आवश्यक है कि लडकी केवल आर्य समाजी परिवारों में दी जाए और बहू वह लाई जाए जो संध्या करती हो। ऐसा अवसर इस प्रकार के कार्यक्रम के माध्यम से ही उपलब्ध हो सकता है। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा और आर्य समाज इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन के लिए साधुवाद के पात्र हैं।' *– नितिन शर्मा, प्रतिभागी, इन्दौर*

वार्ताकारः आचार्य अग्निमित्र, श्री रामप्रसाद याज्ञिक एवं श्री गोविन्दलाल नागपाल

पृष्ठ 4 का शेष

शिक्षा का दान सबसे बड़ा'.....

इस अवसर पर जिला प्रचार मंत्री अरविंद पाण्डेय ने कहा कि मन में जब भी डर, भय, निराशा उत्पन्न हो, तब भगवान के मुख्य नाम 'ओ३म्' को अवश्य स्मरण करें। आर्य समाज के प्रखर चिंतक रामप्रसाद याज्ञिक ने कहा कि विद्या हमें विनम्रता सिखाती है। इसलिए हमें सदैव भगवान की दी हुई वस्तुओं का सदुपयोग करना चाहिए।

सभा के उप प्रधान बनवारी लाल सिंघल ने कहा कि आर्य समाज शिक्षा के क्षेत्र में हमेशा आगे रहा है और शिक्षा को बढ़ावा देने वाले इस प्रकार के कार्यक्रम आगे भी करता रहेगा। इस अवसर पर आचार्य अग्निमित्र शास्त्री ने कहा कि विद्या व्यक्ति का सबसे बडा धन होता है और विद्या से ही व्यक्ति आगे बढ़ता है। इसलिए इस प्रकार के समाज के सहयोग को अपने को ज्ञानवान बनाकर आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के प्रबंधक कमल सक्सेना ने आगंतुक सभी अतिथियों तथा जिला आर्य सभा का हृदय से धन्यवाद दिया।

दयानन्द मठ, दीनानगर की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने पर

हीरक जयन्ती समारोह : 18–20 अक्तूबर, 2013

आर्यजन अधिकाधिक संख्या में पधाकर समारोह को सफल बनाएं

निवेदक : स्वामी सदानन्द सरस्वती, अध्यक्ष मो. 9478256272

महात्मा कन्हैयालाल मेहता जन्मदिवस (15 जुलाई)

विद्यार्थी अवार्ड दिवस के रूप में सम्पन्न

महर्षि दयानन्द शिक्षण संस्थान के संस्थापक महात्मा कन्हैयालाल महता जी का जन्मदिवस 15 जुलाई को विद्यार्थी अवार्ड दिवस के रूप मे महिला महाविद्यालय मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान आचार्य बलदेव जी थे। उन्होंने कक्षा 12वीं की कु. पूजा नरुला, कक्षा 10वीं की ज्योति, सर्वश्रेष्ठ आर्यवीर मा. सुन्दर आर्य एवं आर्य वीरांगना कु. तबस्सुम को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर आर्य प्रतितिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान आचार्य विजयपाल एवं योगिराज श्री ओम प्रकाश भी उपस्थित थे। आचार्य बलदेव जी ने विद्यार्थियों की आध्यात्मिक शिक्षा पर बल देते हुए ध्यान के लिए भी प्रेरित किया। *– प्रधानाचार्या*

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का

वैदिक प्रकाशन विभाग

प्रकाशित वैदिक साहित्य पर भारी छूट

अनु.	साहित्य	मूल्य
1.	सत्यार्थ प्रकाश 18 भाषाओं में (सीडी)	30/–
2.	महर्षि दयानन्द के सम्पूर्ण ग्रन्थ (सीडी)	30/–
3.	शेख चिल्ली और लाल बुजक्कड (सीडी)	30/–
4.	पारिवारिक सुखशान्ति एवं समृद्धि के लिये यज्ञ करें (सीडी)	30/–
5.	गुरुदेव दयानन्द (सीडी)	30/–
6.	सत्य की राह (सीडी)	30/–
7.	अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की 5 सी.डी. का सैट	100 /–
8.	वैदिक विनय	150/–
9.	गुरुदत्त विद्यार्थी – हिन्दी / अंग्रेजी	80/–
10.	दयानन्द लघुग्रंथ सग्रंह	70/–
11.	उपनिषदों की कहानियाँ	60/–
12.	शगुन लिफाफा सिक्केवाला	400 /– सैंकड़ा
13.	शगुन लिफाफा बिना सिक्केवाला	300 /– सैंकड़ा
13.	नैतिक शिक्षा एवं व्यवहार कुशलता	200/–
14.	नेम स्लिप (1×21)	10/–
15.	समस्त कॉमिक्स	25 से 35/–
16.	अनुपम दिनचर्या एवं गीताञ्जलि	50/–
17.	वेद भाष्य (घूड़मल प्रकाशन)	5000/–
19.	सत्यार्थ प्रकाश (अजिल्द)	40/–
	सत्यार्थ प्रकाश (सजिल्द)	80/–
	सत्यार्थ प्रकाश (स्थूलाक्षर)	150/–

सभा द्वारा प्रकाशित साहित्य पर 20 % छूट।

अन्य प्रकाशनों के साहित्य पर 10% की छूट।

साप्ताहिक आर्य सन्देश

सोमवार 22 जुलाई, 2013 से रविवार 28 जुलाई, 2013

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान् रोड, नई दिल्ली–110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)–11/6071/2012–13–14

नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 25/ 26 जुलाई, 2013

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं0 यू0(सी0) 139/2012–14

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 24 जुलाई, 2013

प्रतिष्ठा में,

विशेष सूचना

आर्य समाज के आधिकारिक वेब पोर्टल www.thearyasamaj.org पर प्रदर्शित करने हेतु

अपलोड करें

आगामी कार्यक्रमों के पम्पलेट

संपन्न कार्यक्रमों की रिपोर्ट व फोटो

आर्य जगत के विशेष समाचार

पत्रिका के अंक

चुनाव–नियुक्ति की सूचना

गुरुकुल–विद्यालयों में प्रवेश सूचना

www.thearyasamaj.org/quickupload

आइये मिलकर आर्य समाज का प्रचार करें

दैनिक याज्ञिकों/आर्यसमाजों के लिए खुशखबरी

MDH हवन सामग्री

मात्र 70/– किलो (5,10, 20 किलो की पैकिंग)

प्राप्ति स्थान

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

15 हनुमान रोड, नई दिल्ली - 110001, दूरभाष - 23360150

ब्रेल लिपि में

महर्षि दयानन्द जीवनी

मात्र 1000/–रु.

आर्य समाजें अपनी ओर से अंध विद्यालयों को भेंट दें।

डाक व्यय नि:शुल्क

सेवक चाहिए

आर्यसमाज कालकाजी, ए ब्लाक, नई दिल्ली–19 को एक सेवक की आवश्यकता है। जो विवाहित हो और कम से कम 8वीं पास हो। आर्य विचारों वाले तथा अनुभवी व्यक्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। आवास सुविधा एवं योग्यता के आधार पर वेतन दिया जाएगा। इच्छुक उम्मीदवार व्यक्तिगतरूप से मिलें अथवा मो. 9560355038 पर सम्पर्क करें।

– प्रधान, आर्यसमाज कालकाजी

निर्वाचन समाचार

आर्यसमाज विशाखा एन्कलेव

पी.यू. ब्लाक, पीतमपुरा, दिल्ली-34

प्रधान : श्री रणसिंह राणा
मन्त्री : श्री ओम प्रकाश गुप्ता
कोषाध्यक्ष : श्री सूर्य प्रकाश डुडेजा

आर्यसमाज जनकपुरी

डी-ब्लाक, नई दिल्ली-58

प्रधान : श्री दिनेश आहूजा
मन्त्री : श्री कर्मयोगी मिगलानी
कोषाध्यक्ष : श्री सुरेन्द्रनाथ

आर्यसमाज रामनगर

गुड़गांव (हरियाणा)

प्रधान : श्री ओमप्रकाश चुटानी
मन्त्री : श्री राधाकृष्ण सोलंकी
कोषाध्यक्ष : श्री ईश्वर लाल कुमार

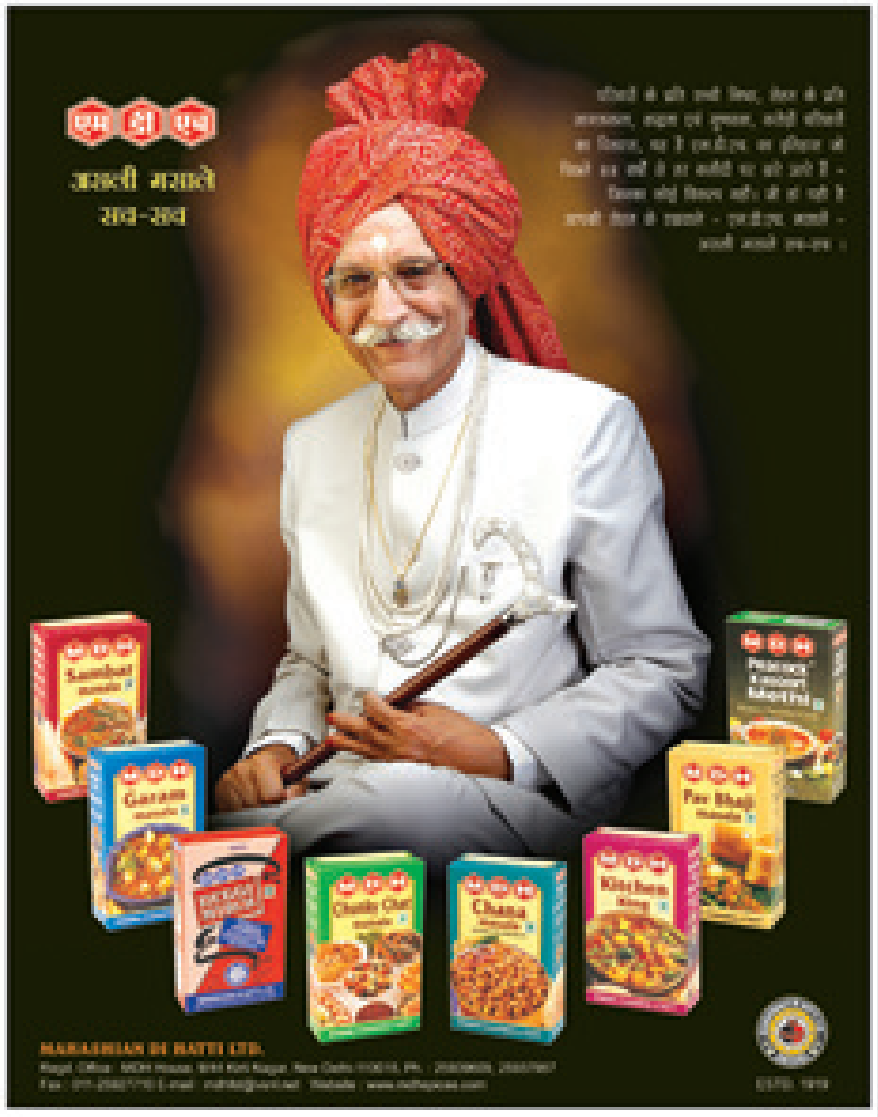

सम्पादक, मुद्रक एवं प्रकाशक ब्र0 राजसिंह आर्य ने दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए सार्वदेशिक प्रेस, 1488 पटौदी हाऊस, दरियागंज, नई दिल्ली–2 से छपवाकर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान रोड, नई दिल्ली–1; फोन : 23360150; टैलीफैक्स 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com से प्रकाशित किया।

सम्पादक : ब्र0 राजसिंह आर्य   सह सम्पादक : विनय आर्य   व्यवस्थापक : सुशील महाजन   सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ0 ओमप्रकाश भटनागर